

२१/१०/२५

एजा. पत्रा दुही वही एवं वहीन वही अनुन वही एवं
वहीन वही स प्रथम उपरिपेक ही हेतु वही-२
आवाप लागारि गर लक्ष्यंत उपरिपेक ही हेतु । अर्याप
परचात ११: आवाप लागारि गरि री भी हेतु ही हेतु
अतः परा वही रक्ष वही अर्य वहीन वही
एत ए वहीन विप्य वहीन

एजा. पत्रा दुही वही एवं वहीन वही अनुन वही एवं
वहीन वही स प्रथम उपरिपेक ही हेतु वही-२
आवाप लागारि गर लक्ष्यंत उपरिपेक ही हेतु । अर्याप
परचात ११: आवाप लागारि गरि री भी हेतु ही हेतु
अतः परा वही रक्ष वही अर्य वहीन वही
एत ए वहीन विप्य वहीन

एजा. पत्रा दुही वही एवं वहीन वही अनुन वही एवं
वहीन वही स प्रथम उपरिपेक ही हेतु वही-२
आवाप लागारि गर लक्ष्यंत उपरिपेक ही हेतु । अर्याप
परचात ११: आवाप लागारि गरि री भी हेतु ही हेतु
अतः परा वही रक्ष वही अर्य वहीन वही
एत ए वहीन विप्य वहीन

